भारत सरकाररसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

**राज्‍य सभा** अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1136

जिसका उत्‍तर शुक्रवार, 16 अगस्‍त 2013/25 श्रावण, 1935 (शक) को दिया जाना है।

**उर्वरकों की मांग और खपत**

**1136. श्री के. एन. बालगोपाल:**

क्‍या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्‍या पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में उर्वरकों की मांग और खपत में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है;

(ग) क्‍या इसके कारणों का अध्‍ययन किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है?

**उत्‍तर**

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्‍वयन मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) (श्री श्रीकांत कुमार जेना)**

**(क) और (ख):** जी हां। पिछले पांच वार्षों से मांग और तदनुरूपी अन्‍तर्ग्रहण (बिक्री) बढ़ रहा है। पिछले पांच वर्षों के दौरान पीएंडके उर्वरकों को छोड़कर देश में उर्वरकों की मांग और अन्‍तर्ग्रहण (बिक्री) दर्शाने वाला एक विवरण **अनुलग्‍नक** में दिया गया है।

**(ग) और (घ):** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आइसीएआर) द्वारा अपलब्‍ध कराई गई सूचना के अनुसार उर्वरक अनुप्रयोग/उपयोग में कमी/वृद्धि, मृदा के प्रकार और इसकी उर्वरता स्‍थिति, उगाई गई फसलों के प्रकार तथा इसकी पोषक-तत्‍व आवश्‍यकता, उर्वरक अनुप्रयोग की विधि और प्रणाली, सिंचाई सुविधाएं, वर्षा, उर्वरक सामग्री की समय पर उपलब्‍धता, उर्वरक मूल्‍य और किसान के सामर्थ्‍य आदि पर निर्भर करती है।

\*\*\*\*\*\*